

मझधार फंसी नैया

(तर्ज:-एक प्यार का नगमा है)

मझधार फंसी नैया,
तुम पार लगाते हो,
कोई करुण पुकार करे
दौड़े चले आते हो,

जब कोई न था मेरा
मैंने तुझे पाया है।
तुने ही प्रभु मेरा
जीवन महकाया है,
मैं इसीलिए कहता
मेरे दिल को तुं भाते हो,

तेरी शरण मिली जब से
जीने का मजा आया,
रोती हुई आँखों को
तुने हँसना सिखलाया,
जीवन के दो राहे पर
रस्ता दिखलाते हो,

जिसे लगन लगी तेरी,
क्या से क्या कर डाला,
उसका प्यारे तुने
जीवन ही बदल डाला,
अपने प्रेमी को तुम
हाथों से सजाते हो,

श्रद्धा और भक्ति से,
मेरा दामन भर देना,
विश्वास नहीं टूटे,
प्रभु इतनी कृपा रखना,
"बिन्नू" और "आयुष" को
प्रभु तुं ही निभाते हो,

-----,-----

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/10135/title/majdhar-fasi-naiya>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |